



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 86]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 2, 1990/फाल्गुन 11, 1911

No. 86]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 2, 1990/PHALGUNA 11, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1990

सा. का. नि. 109 (घ) :-केलियम कार्बाइड नियम, 1987 का संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का एक प्रारूप, पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 (1934 का 30) का धारा 29 का उपधारा (2) और उपधारा (3) का अधिशासक, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) का अधिसूचना सं. सा. का. नि. 1228 (घ), तारीख 28 दिसम्बर, 1988 के अधीन, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 29 दिसम्बर, 1988 में प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने का संभावना था, उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की प्रतियाँ जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई, जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, 45 दिनों के अवधान से पूर्व आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे।

और उक्त राजपत्र की प्रतियाँ 13 जनवरी, 1989 को जनता को उपलब्ध करा दी गयी थी;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त प्रारूप के संबंध में जनता से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केलियम कार्बाइड नियम, 1987 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केलियम कार्बाइड (संशोधन) नियम, 1989 है :-

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केलियम कार्बाइड नियम, 1987 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में नियम 3 के परन्तुक का जोड़ किया जाएगा।

3. उक्त नियमों के नियम 17 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“17. भू-भाग द्वारा आयात :- कोई भी व्यक्ति, प्रत्येक मामले में, केन्द्रीय सरकार की पूर्व संमति के बिना भूमिगत द्वारा कार्बाइड का आयात नहीं करेगा, और वह आयात निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए करेगा; अर्थात् :-

(1) यह कि कार्बाइड को विहित आधानों में ले जाया जाता है

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, 28th February, 1990

(2) यह कि आयात करने के दौरान सभी ऐसे व्यक्तिगत पूर्वा-
ध्यानियां बरती जाती हैं जिसमें कि कार्बाइड को जल या
तांबे और चान्दो जैसी धातुओं के संपर्क में आने से रोका
जा सकेगा ;

(3) यह कि कार्बाइड को उतारे जाने के पश्चात्, उसे अविलम्ब
किसी अनुज्ञापन भण्डारकरण में ले जाया जाता है।” ;

4. उक्त नियमों के नियम 18 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम
रखा जाएगा, अर्थात् :—

“18. वायुमार्ग द्वारा आयात :—कोई भी व्यक्ति, प्रादेशिक
स्तरों में, केन्द्रीय सरकार को पूर्वा-ध्यानों के बिना वायुमार्ग
द्वारा कार्बाइड का आयात नहीं करेगा, और यह अधिनियम निम्न-
लिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, करेगा ; अर्थात् :—

(1) यह कि कार्बाइड को विहित अधिनियमों में ले जाया जाता
है ;

(2) यह कि आयात करने के दौरान सभी ऐसे व्यक्तिगत
पूर्वा-ध्यानियां बरती जाती हैं जिसमें कि कार्बाइड को जल
या तांबे और चान्दो जैसी धातुओं के संपर्क में आने से
रोका जा सकेगा ;

(3) यह कि कार्बाइड को उतारे जाने के पश्चात्, उसे अविलम्ब
किसी अनुज्ञापन भण्डारकरण में ले जाया जाता है।” ।

5. उक्त नियमों के नियम 20 में, पहले परन्तुक के स्थान
पर, निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु मुख्य नियंत्रक, 100 कि. या. से अधिक कार्बाइड
को अन्तर्विष्ट करने की क्षमता वाले ऐसे पात्रों में कार्बाइड का
परिवहन अनुज्ञापन कर सकेगा जो उसके द्वारा इस अधिनियम में चिनि-
विष्टतया अनुमोदित किए जाए कि ऐसे पात्र उपयोग रूप से
डिजाइन किए गए हैं और उनका भार को सुरक्षित रूप से ले
जाने के लिए तथा पानी के प्रवेश को रोकने के लिए परीक्षण
कर लिया गया है।” ।

6. उक्त नियमों के नियम 30 को उसके उपनियम (1) के
रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार से पुनः संख्यां-
कित उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अन्तःस्थापित
किया जाएगा, अर्थात् :—

“(2) अनुज्ञापन प्राधिकारी, इस अध्याय के अधीन अनुज्ञापन
किए जाने के लिए सम्यक् रूप से पूर्ण दस्तावेजों की
प्राप्ति को तारीख से तीन मास की अवधि के भीतर उप-
नियम (1) के अधीन अनुज्ञापन देगा।” ।

[सं० 21(3)87—डीपीआर/ईसीआईएस]

आर. के. मिश्रा, सयकम अधिकारी

साध टिप्पण :

मूल नियम भारत के राजपत्र (असाधारण), भाग II, खंड 3,
उपखंड (i) में अधिसूचना सं. सा. का. नि. 165 (घ), तारीख
18 फरवरी, 1987 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

G.S.R. 109 (E).—Whereas a draft of certain rules to amend the Calcium Carbide Rules, 1987, was published as required by sub-section (2) and (3) of section 29 of the Petroleum Act, 1934 (30 of 1934) with the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. G.S.R. 1228(E) dated the 28th December 1988 in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, sub-section (i) dated the 29th December, 1988, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of 45 days on which the copies of the Official Gazette in which the notification was published were made available to the public;

And whereas, the copies of the said Official Gazette were made available to the public on the 13th January, 1989;

And whereas, no objection or suggestions were received from the public on the said draft by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 4 of the Petroleum Act, 1934, the Central Government hereby makes the following rules to amend the Calcium Carbide Rules, 1987 :—

1. (1) These rules may be called the Calcium Carbide (Amendment) Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Calcium Carbide Rules, 1987 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 3, the proviso shall be omitted.

3. For rule 17 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“17. Importation by land—No person shall import Carbide by land save with the previous sanction in each case of the Central Government and subject to the following conditions, namely :—

(i) that the carbide is carried in prescribed receptacles;

(ii) that all reasonable precautions are taken to prevent carbide coming into contact with water or metals like copper and silver during importation;

(iii) that after carbide is landed, it is removed to a licensed storage premises without delay.”;

4. For rule 18 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“18. Importation by air—No person shall import carbide by air save with the previous sanction in each case of the Central Government and subject to the following conditions, namely :—

- (i) that the carbide is carried in prescribed receptacles;
- (ii) that all reasonable precautions are taken to prevent carbide coming into contact with water or metals like copper and silver during importation;
- (iii) that after carbide is landed, it is removed to a licensed storage premises without delay.”.

5. In rule 20 of the said rules, for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that the Chief Controller may permit transport of carbide and receptacles capable of containing more than 100 kilograms specifically approved by him to the effect that such receptacles are suitably designed and tested to safely carry the load and to prevent ingress of water.”.

6. Rule 30 of the said rules shall be numbered as sub-rule (1) thereof and after sub-rule (1) as so numbered, the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(2) The licensing authority shall grant licence under sub-rule (1) within a period of three months from the date of the receipt of documents duly completed for grant of licence under this Chapter.”.

[No. 21(3)/87-DPR/EGGS]

R. K. SINHA, Jt. Secy.

FOOT NOTE :—

Principal rules published vide notification GSR No. 105(E) dated the 18th February, 1987 in the Gazette of India (Extra-ordinary) Part-II, Section-3, Sub-section (i).

